कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 347 कानपुर, मंगलवार 23 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मड मिरर एवं मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा तीन दिवसीय 卐मड मिरर एवं मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला卐 का शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला 22 जून से 24 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें लगभग 30 छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की जा रही है।

कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय पारंपरिक लोक कलाओं, विशेष रूप से गुजरात की प्रसिद्ध लिप्पन कला एवं मड मिरर वर्क की तकनीकों से परिचित कराना तथा उनमें रचनात्मकता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की डीन डॉ. सीमा सोनकर, विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. संगीता, डॉ. संगमित्रा महापात्रा, डॉ. अर्चना सिंह तथा डॉ. एकता की गरिमामयी उपस्थिति रही। विभाग की टीचिंग एसोसिएट डॉ. स्वप्निल एवं डॉ. एलेना ने कार्यशाला के संचालन एवं प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को भारतीय कला एवं संस्कृति से जोड़ने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता के अवसरों को भी बढ़ावा देती हैं। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को मड मिरर एवं लिप्पन आर्ट की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला छात्राओं के कौशल विकास, सृजनात्मक अभिव्यक्ति एवं उद्यमशीलता को नई दिशा प्रदान करेगी। यह कार्यशाला 24 जून 2026 तक संचालित होगी, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न कलात्मक कृतियों का निर्माण किया जाएगा।

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

लखनऊ, वर्ष: 15, अंक: 176, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com मंगलवार, 23 जून 2026 तक संवत् 19

मड मिरर और मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा तीन दिवसीय ÷मड मिरर एवं मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला÷ का शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला 22 जून से 24 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें लगभग 30 छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की जा रही है। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय पारंपरिक लोक कलाओं, विशेष रूप से गुजरात की प्रसिद्ध लिप्पन कला एवं मड मिरर वर्क की तकनीकों से परिचित कराना तथा उनमें रचनात्मकता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की डीन डॉ. सीमा सोनकर, विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. संगीता, डॉ. संगमित्रा महापात्रा, डॉ. अर्चना सिंह तथा डॉ. एकता की गरिमामयी उपस्थिति रही। विभाग की टीचिंग एसोसिएट डॉ. स्वप्निल एवं डॉ.

एलेना ने कार्यशाला के संचालन एवं प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को भारतीय कला एवं संस्कृति से जोड़ने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता के अवसरों को भी बढ़ावा देती हैं। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को मड मिरर एवं लिप्पन आर्ट की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला छात्राओं के कौशल विकास, सृजनात्मक अभिव्यक्ति एवं उद्यमशीलता को नई दिशा प्रदान करेगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरा बजाज लाइफ इन्सुरेंस पालिसी संख्या 0112955938 हैं। जिसमें मेरा

वर्ष : 19 अंक : 154 लखनऊ मंगलवार, 23 जून 2026 पृष्ठ : 16, मूल्य: ₹4/-

मूल्य ₹4

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

नगर संस्करण •• सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

सीएसए में तीन दिवसीय मड मिरर व मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला का शुभारंभ

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की तीन दिवसीय "मड मिरर एवं मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला" का शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला 22 जून से 24 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें लगभग 30 छात्राए उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय पारंपरिक लोक कलाओं, विशेष रूप से गुजरात की प्रसिद्ध लिप्पन कला एवं मड मिरर वर्क की तकनीकों से परिचित कराना तथा उनमें रचनात्मकता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की डीन डॉ. सीमा सोनकर, विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. संगीता, डॉ. संगमित्रा महापात्रा, डॉ. अर्चना सिंह तथा डॉ. एकता की गरिमामयी उपस्थिति रही। विभाग की टीचिंग एसोसिएट डॉ. स्वप्निल एवं डॉ. एलेना ने कार्यशाला के संचालन एवं प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दैनिक जागरण 23/06/2026

सीएसए में मड मिरर और लिप्पन आर्ट सीख रहीं छात्राएं

तीन दिवसीय कार्यशाला में छात्राओं ने पारंपरिक लोक कला सीखी • सीएसए

जागरण संवाददाता, कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कालेज आफ कम्युनिटी साइंस में रविवार से तीन दिवसीय मड मिरर एवं मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में करीब 30 छात्राएं प्रतिभाग कर रही हैं। कार्यशाला 24 जून तक चलेगी। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय पारंपरिक लोक कलाओं, विशेष रूप से गुजरात की प्रसिद्ध लिप्पन कला और मड मिरर वर्क तकनीक से परिचित कराना है। इसके माध्यम से छात्राओं में रचनात्मकता, कौशल विकास और स्वरोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में कालेज आफ कम्युनिटी साइंस की डीन डा. सीमा सोनकर ने कहा कि इस प्रकार

3 दिवसीय कार्यशाला में पारंपरिक लोक कलाओं की बारीकियां सीखीं प्रतिभागियों ने

लिप्पन है गुजरात की पारंपरिक भित्ति कला

विभागाध्यक्ष डा. रश्मि सिंह ने बताया कि लिप्पन आर्ट गुजरात के कच्छ क्षेत्र की एक पारंपरिक भित्ति कला है। इसमें दीवार या बोर्ड पर चिकनी मिट्टी और दर्पणों (शीशों) का उपयोग कर उभरे हुए डिज़ाइन बनाए जाते हैं। ये मोल्डेड क्ले से तैयार की जाती है। मिड मिरर वर्क में मिट्टी की डिजाइन में शीशे की कारीगरी होती है।

की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को भारतीय कला एवं संस्कृति से जोड़ने के साथ आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी देती हैं।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 347 कानपुर, मंगलवार 23 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

दीक्षा उत्सव श्रृंखला में लोक नृत्य, देशभक्ति गीत गायन पर हुई प्रतियोगिता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, में 28वें दीक्षान्त समारोह के आयोजन से पूर्व आयोजित किए जा रहे दीक्षोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में %लोक नृत्य एवं देशभक्ति गीत गायन% प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लोक नृत्य प्रस्तुतियों ने भारतीय लोक संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को जीवंत किया। वहीं देशभक्ति गीतों ने उपस्थित जनसमूह में राष्ट्रप्रेम और उत्साह का संचार किया। छात्राओं ने गुजराती, दक्षिण भारतीय,राजस्थानी,पंजाबी, हरियाणवी, बिहारी , उत्तराखंड एवं उतर प्रदेश के लोक नृत्यों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन डॉ. अर्चना सिंह,डॉ.संघमित्रा महापात्रा, डॉ एकता शर्मा, डॉ.शिवानी चौधरी, डॉ सिद्धार्थ सिंह, डॉ सोमेन्द्र वर्मा तथा डॉ स्वपनिल के कुशल मार्गदर्शन एवं देखरेख में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ विवेक कुमार त्रिपाठी (अधिष्ठाता, उद्यान संकाय), डॉ रामजी गुप्ता (प्राध्यापक, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग) तथा डॉ मुक्ता गर्ग एवं डॉ रश्मि सिंह शामिल रहीं। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए उनकी कला,प्रस्तुति एवं भावाभिव्यक्ति की सराहना की।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर, मंगलवार
23 जून, 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 9
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 301 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

सीएसए में हुआ मड मिरर एवं मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला का शुभारंभ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा तीन दिवसीय मड मिरर एवं मैजिक लिप्पन आर्ट कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला 24 जून तक आयोजित की जा रही है, जिसमें लगभग 30 छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की जा रही है। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय पारंपरिक लोक कलाओं, विशेष रूप से गुजरात की प्रसिद्ध लिप्पन कला एवं मड मिरर वर्क की तकनीकों से परिचित कराना तथा उनमें रचनात्मकता, कौशल विकास एवं स्वरोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को भारतीय कला एवं संस्कृति से जोड़ने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता के अवसरों को भी बढ़ावा देती हैं। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को मड मिरर एवं लिप्पन आर्ट की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न कलात्मक कृतियों का निर्माण किया जाएगा एवं स्वरोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की डीन डॉ सीमा सोनकर, विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि सिंह, डॉ संगीता, डॉ संगमित्रा महापात्रा, डॉ अर्चना सिंह तथा डॉ एकता की गरिमामयी उपस्थिति रही। विभाग की टीचिंग एसोसिएट डॉ स्वप्निल एवं डॉ एलेना ने कार्यशाला के संचालन एवं प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को मड मिरर एवं लिप्पन आर्ट की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

हिंदुस्तान 23/06/2026

दीक्षोत्सव में छात्रों ने दिखाई लोक नृत्य में प्रतिभा

कानपुर। सीएसए में होने वाले 28वें दीक्षांत समारोह को लेकर दीक्षोत्सव चल रहा है। लोक नृत्य प्रस्तुतियों ने भारतीय लोक संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को जीवंत किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, डॉ. रामजी गुप्ता, डॉ. मुक्ता गर्ग एवं डॉ. रश्मि सिंह रहीं। इस मौके पर डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. संघमित्रा महापात्रा, डॉ. एकता शर्मा, डॉ. शिवानी चौधरी, डॉ. सिद्धार्थ सिंह रहे।